वाधवानी ने युवाओं को संबोधित करते हुए राज्य सरकार की औद्योगिक नीतियों के बारे में विस्तार से जानकारियां दी । श्री वाधवानी ने बताया कि किस स्तर पर और कैसे उद्यमों के लिए पंजीयन कराना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए CSIDC निःशुल्क जमीन तथा समान वर्ग के लिए 50 फीसदी छूट के साथ जमीन उपलब्ध कराता है। पंजीयन के लिए स्टॉम्प ड्यूटी में छूट है तथा डायवर्सन शुल्क में भी छूट के लिए प्रावधान है। उन्होंने विभाग की उद्यमों को शुरू करने के लिए दी जाने वाली सुविाओं की विस्तृत जानकारी दी । अधोसंरचना विकास जिसमें लघु उद्योग तथा कुटीर उद्योग के क्षेत्र में क्या विकास हो रहा है उसकी भी जानकारी दी गई । श्री वाधवानी ने महासमुंद, कबीरधाम तथा अम्बिकापुर में शुरू नये लघु उद्योगों के बारे में विस्तृत जानकारी दी । उन्होंने कहा कि बेरोजगार शिक्षित लोगों को स्वरोजगार स्थापित करने में सहायता देकर बेरोजगारी तथा पलायन की समस्या को रोका जा सकता है।

CSIDC के डिप्टी मैनेजर श्री ओ.पी. बंजारे ने बताया कि किसी भी इकाई की स्थापना अथवा उसे चलाने के लिए वित्त व्यवस्था बहुत आवश्यक है । उन्होंने कहा कि जो पहली बार इकाई स्थापित करता है उसे बैंक से फायनेंस करवाने में बहुत कठिनाईयों के दौर से गुजरना पडता है । इसके लिए नाबार्ड निजी बैंक तथा प्रधान मंत्री रोजगार योजना के तहत फायनेंस के लिए आवेदन किया जा सकता

व्यक्ति में यदि चाहत है तो कुछ भी असंभव नहीं है। उन्होंने उर्जा के क्षेत्र में नये तकनीकों के बारे में बताया । इसके पश्चात विषय विशेषज्ञों ने लोगों के जिज्ञासा एवं शंकाओं का समााान किया।

सेमिनार – 3 : महिला सक्षमीकरण

वैश्वीकरण के दौर में ग्रामीण क्षेत्रों में बेराजगारी बढी है तथा सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र से अपना हाथ खींचना शुरू किया है। महिलाओं के लिए ऐसी स्थिति में बदत्तर स्थिति उत्पन्न कर दिया है। वैश्वीकरण की चुनौतियों का सामना सहकारिता के माध्यम से ही किया जा सकता है। उक्त आशय के उद्गार भारतीय स्त्री–शक्ति संगठन नागपुर के डॉ. मनीषा उपेन्द्र कोठेकर ने व्यक्त किए। महिला सक्षमीकरण विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में उन्होंने यह विचार व्यक्त किए । उन्होंने कहा कि सरकार की महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाई गई योजनाओं का महिलाओं को सदुपयोग करना चाहिए ।

महिलाओं एवं युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. मनीषा ने पंचवर्षीय योजनाओं के संदर्भ में नारियों के विकास को बताया । उन्होंने कहा कि प्रारंभिक योजनाओं में महिलाएं कल्याणकारी घटक के रूप में वहां मौजूद थी, बाद में पंचवर्षीय योजनाओं में महिलाओं का विकास मुद्दा बनता चला गया। आठवीं एवं ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजनाओं में यह महिला सशक्तिकरण मुद्दे के रूप में उभरकर सामने आया। डॉ. मनीषा ने कहा कि महिलाओं का आई टी क्षेत्र में छलांग लगाना उदय भारत की पहल होगी। आज जहां–जहां मौका और अवसर मिला है, महिलाओं ने अपनी योग्यता साबित की है। उन्होंने कहा कि आज भी महिलाओं का एक बडा वर्ग मूलभूत सुविधाओं व अधिकारों से वंचित है। उन्होंने भ्रूण हत्या, दहेज जैसी स्त्रियों से जुडी अन्य समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया और कहा कि स्त्रियों आज भी अपना निर्णय खुद नहीं कर पा रही है। उन्होंने बताया कि प्रथम लोक सभा में मात्र 22 महिलाएं थी और आज यह संख्या 45 तक ही पहुंच पाई है। डॉ. मनीषा ने जानकारी दी कि विश्व की दो तिहाई महिलाओं में से मात्र एक तिहाई को ही काम मिलता है तथ सौ में से मात्र

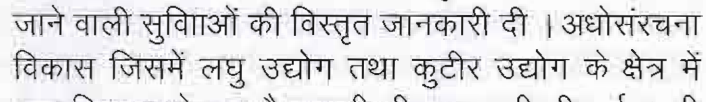

वाधवानी ने युवाओं को संबोधित करते हुए राज्य सरकार की औद्योगिक नीतियों के बारे में विस्तार से जानकारियां दी । श्री वाधवानी ने बताया कि किस स्तर पर और कैसे उद्यमों के लिए पंजीयन कराना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए CSIDC निःशुल्क जमीन तथा समान वर्ग के लिए 50 फीसदी छूट के साथ जमीन उपलब्ध कराता है। पंजीयन के लिए स्टॉम्प ड्यूटी में छूट है तथा डायवर्सन शुल्क में भी छूट के लिए प्रावधान है। उन्होंने विभाग की उद्यमों को शुरू करने के लिए दी

उत्पन्न कर दिया है। वैश्वीकरण की चुनौतियों का सामना सहकारिता के माध्यम से ही किया जा सकता है। उक्त आशय के उद्गार भारतीय स्त्री–शक्ति संगठन नागपुर के डॉ. मनीषा उपेन्द्र कोठेकर ने व्यक्त किए। महिला सक्षमीकरण विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में उन्होंने यह विचार व्यक्त किए । उन्होंने कहा कि सरकार की महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाई गई योजनाओं का महिलाओं को सदुपयोग करना चाहिए ।

महिलाओं एवं युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. मनीषा ने पंचवर्षीय योजनाओं के संदर्भ में नारियों के विकास को बताया । उन्होंने कहा कि प्रारंभिक योजनाओं में महिलाएं

ने कहा कि उसके पास इतना नगद नहीं है। हमारे आत्मविश्वास ने हमारे विकास को शुरू किया । आज हमारे पास अपनी बिल्डिंग है, और आज हमारे विकास के मॉडल को यूनिसेफ में सराहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग लगाने के लिए आत्मविकास और साहस की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा स्थापित की गई टैनी इंडस्ट्री 60 लाख रूपये प्रतिमाह की आय अर्जित कर रही है। सैकड़ों लोगों को रोजगार मिला।

सेमिनार में राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. डी.एन. तिवारी ने युवाओं को स्वरोजगार से स्वावलंबन विषय पर युवाओं से चर्चा करते हुए कहा कि हमारे विकास की दर सर्विस सेक्टर में मात्र 6 प्रतिशत है । औद्योगिक क्षेत्र में 14 प्रतिशत होना चाहिए था , उसे भी अब तक हम प्राप्त नहीं कर सके है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के खरबपति बनने से अच्छा है कि सब लखपति बने। उन्होंने इस संबंध में चीन के कुरर्मिक नामक शहर का उदाहरण दिया जहां सर्विस सेक्टर को बढ़ाने के लिए लखपतियों को भी प्राथमिकता दी गई। हमारी ग्रोथ स्टील, सीमेंट में ज्यादा जा रही है । यहां का मसाला अजवाईन जो तीन चार रूपये में होता है वह नागपुर में जाकर तीस , चालीस रूपये में बिकता है। एक हजार लिटर से ज्यादा दूध हम महाराष्ट्र से ले रहे है । हमे इन चीजों पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए । रोजमर्रा की आवश्यक चीजों का उत्पादन बढ़ाना चाहिए । उन्होंने कहा कि हम 18 हजार करोड़ का समान बाहर से मंगा रहे है। तो हम अपने राज्य में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कहां कर पा रहे है। क्या यह पॉलिसी की त्रुटि है।

उन्होंने कहा हमें उर्जा, हर्बल सेक्टर तथा संगठन के उपर ज्यादा ध्यान देना होगा। हमें चीन की तर्ज पर अपने आर्युवेद की तरफ ज्यादा ध्यान देना होगा तथा उसी क्षेत्र में रोजगार व प्रयास को प्राथमिकता देनी होगी। हमें चीजों के बनाने के तरीकों की तरफ ध्यान देना और समझना होगा। विज्ञान में ही शक्ति है और अथशास्त्र ही रास्ता दिखा सकता है। तभी 2020 में हमारा भारत सर्वशक्तिशाली बनेगा।

इस अवसर पर उद्योग विभाग के संचालक श्री एस.के
सेमिनार में राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. डी.एन. तिवारी ने युवाओं को स्वरोजगार से स्वावलंबन विषय पर युवाओं से चर्चा करते हुए कहा कि हमारे विकास की दर सर्विस सेक्टर में मात्र 6 प्रतिशत है । औद्योगिक क्षेत्र में 14 प्रतिशत होना चाहिए था , उसे भी अब तक हम प्राप्त नहीं कर सके है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के खरबपति बनने से अच्छा है कि सब लखपति बने। उन्होंने इस संबंध में चीन के कुरर्मिक नामक शहर का उदाहरण दिया जहां सर्विस सेक्टर को बढ़ाने के लिए लखपतियों को भी प्राथमिकता दी गई। हमारी ग्रोथ स्टील, सीमेंट में ज्यादा जा रही है । यहां का मसाला अजवाईन जो तीन चार रूपये में होता है वह नागपुर में जाकर तीस , चालीस रूपये में बिकता है।

पाया है । हम मानव विकास में पिछड़े हुए है । हमारा कच्चा माल बाहर जा रहा है । हमें लघु उद्योगों में ध्यान देना चाहिए। धमतरी सबसे बड़ा वनस्पति बाजार है । उन्होंने कहा कि रोजगार प्रधान योजना बनाना चाहिए । हम स्टील उर्जा ,बॉयोटेक तथा हेन्डलूम के क्षेत्र में बहुत आगे बढ़ सकते है। विषय विशेषज्ञों ने युवाओं की शंकाओं का समाधान भी किया ।

सेमिनार–2: उद्यमिता–चुनौतियां एवं अवसर

प्रत्येक व्यक्ति अपने आप में एक उद्यमी है । बशर्ते वह अपनी क्षमताओ के स्तर और योग्यता को प्रत्येक स्तर पर प्रस्तुत करे। सफल उद्यमी बनने के लिए व्यक्ति को भविष्य की असफलता की चिंता को छोड निडर होकर कार्य करना चाहिए । उद्यमिताः चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में बैगलोर से आये डॉ. एन. रमेश ने युवाओं को संबोधित करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए।

राष्ट्रीय सेमीनार में युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सामान्य योग्यता वाले शिक्षकों में एक शिक्षक अधिक अच्छा होता है वस्तुतः यह उसका प्रस्तुतिकरण ही होता है। उन्होंने अपने स्वयं का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि कैसे वह एक सफल उद्यमी बने । उन्होंने कहा कि उद्यमी बनने के लिए व्यक्ति को निरंतर अभ्यास करना चाहिए, इसके लिए व्यक्ति में चिंतनशीलता बहुत आवश्यक है। वस्तुतः सफल उद्यमी वही बन सकता है

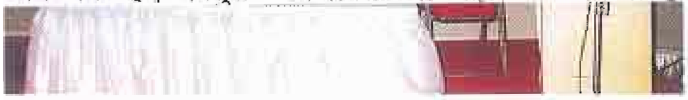

पाया है । हम मानव विकास में पिछड़े हुए है । हमारा कच्चा माल बाहर जा रहा है । हमें लघु उद्योगों में ध्यान देना चाहिए। धमतरी सबसे बड़ा वनस्पति बाजार है । उन्होंने कहा कि रोजगार प्रधान योजना बनाना चाहिए । हम स्टील उर्जा ,बॉयोटेक तथा हेन्डलूम के क्षेत्र में बहुत आगे बढ़ सकते है। विषय विशेषज्ञों ने युवाओं की शंकाओं का समाधान भी किया ।

सेमिनार–2: उद्यमिता–चुनौतियां एवं अवसर

प्रत्येक व्यक्ति अपने आप में एक उद्यमी है । बशर्ते वह

युवा एक्सपो 2008

भारतीय युवाओं में उद्यमिता विकास तथा रोजगार के माध्यम से आय बढाने के अवसरों का सृजन करने तथा उनमें स्थायी आर्थिक विकास की संभावना को विकसित करने की दिशा में नेशनल युवा कोऑपरेटिव्ह सोसायटी द्वारा उद्यमिता, कैरियर और स्वरोजगार विषय पर दिनांक 16 से 18 फरवरी 2008 तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार एवं प्रदर्शनी का आयोजन रायपुर में किया गया।

उद्घाटन

सन् 2010 तक हमारा प्रदेश में सारे संसाधन मौजूद है । हम आने वाले वर्षो में विद्युत और उर्जा के क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भर होंगे वरना दूसरे राज्यों को देने की स्थिति में होंगे। उक्त आशय के विचार छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने युवा एक्सपो–2008 के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किये। उन्होंने नेशनल युवा कोआपरेटिव्ह सोसायटी को युवाओं को प्रेरित करने वाले इस आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

गवर्नमेंट हायर सकेण्डरी स्कूल में आयोजित युवा एक्सपो–2008 का दिनांक 16 फरवरी को मुख्यमंत्री द्वारा दीप प्रज्जवलित कर विधिवत उदघाटन किया गया। उन्होंने छत्तीसगढ़ में उपलब्ध संसाधनों की जानकारी दी और राज्य के पिछडेपन को लेकर अफसोस व्यक्त किया।

द्वारा उद्यमिता, कैरियर और स्वरोजगार विषय पर दिनांक 16 से 18 फरवरी 2008 तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार एवं प्रदर्शनी का आयोजन रायपुर में किया गया।

उद्घाटन

सन् 2010 तक हमारा प्रदेश में सारे संसाधन मौजूद है । हम आने वाले वर्षो में विद्युत और उर्जा के क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भर होंगे वरना दूसरे राज्यों को देने की स्थिति में होंगे। उक्त आशय के विचार छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने युवा एक्सपो–2008 के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किये। उन्होंने नेशनल युवा कोआपरेटिव्ह सोसायटी को युवाओं को प्रेरित करने वाले इस आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अध्यक्षता डॉ. कृष्णमुर्ति बांधी (राज्यमंत्री, उच्च शिक्षा तकनिकी विज्ञान प्रोद्योगिकी) ने किया । कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि सांसद श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने संबोधित किया। इसके पूर्व युवा को–आपरेटिव्ह सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष श्री व्ही. मुरलीधरन ने संस्था के बारे में जानकारी दी एवं स्वागत समिति के अध्यक्ष डॉ. बी. के. स्थापक (कुलपति, छत्तीसगढ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय) ने स्वागत उद्बोधन किया। कार्यक्रम में सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजेश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष श्री विवेक सक्सेना,श्री विष्णु बोबाडे (राष्ट्रीय महामंत्री, सहकार भारती) एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे । आभार प्रदर्शन श्री रमेश गांधी और कार्यक्रम के संचालन स्वागत समिति के सचिव डॉ.संकेत ठाकुर ने किया ।

इसके पूर्व सुबह 10.30 बजे युवा एक्सपो के स्वागत समिति के अध्यक्ष छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी.के स्थापक ने भारत माता के चित्र के समीप दीप प्रज्जवलित कर युवा एक्सपो–2008 प्रदर्शनी का विधिवत शुभारंभ किया । उन्होंने कहा कि यह इस तरह का पहला मौका है जब रोजगार से संबंधित सारी तथ्यों एवं जानकारियों का एक साथ आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजेश पाण्डे, संस्थापक अध्यक्ष एवं निर्देशक श्री व्ही. मुरलीधरन, प्रबंध निर्देशक श्री प्रकाश साहू , संयोजक श्री रमेश गांधी एवं सम्मानित नागरिक उपस्थित थे ।

सेमिनार – 1 : स्वरोजगार से स्वावलंबन

यदि हमें जिन्दगी में आगे बढ़ना है और अपने बिजनेस में सफल होना है तो शिकायत का अंदाज छोड़ना होगा हमारी जिंदगी हमारी है और हममें साहस होना चाहिए। मांगने से कुछ नहीं मिलता। हमारा दिमाग सब कुछ कर सकता है। नेशनल युवा को–आपरेटिव्ह सोसयटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में स्वरोजगार से स्वावलंबन विषय पर चर्चा

अध्यक्ष श्री व्ही. मुरलीधरन ने संस्था के बारे में जानकारी दी एवं स्वागत समिति के अध्यक्ष डॉ. बी. के. स्थापक (कुलपति, छत्तीसगढ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय) ने स्वागत उद्बोधन किया। कार्यक्रम में सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजेश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष श्री विवेक सक्सेना,श्री विष्णु बोबाडे (राष्ट्रीय महामंत्री, सहकार भारती) एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे । आभार प्रदर्शन श्री रमेश गांधी और कार्यक्रम के संचालन स्वागत समिति के सचिव डॉ.संकेत ठाकुर ने किया ।

इसके पूर्व सुबह 10.30 बजे युवा एक्सपो के स्वागत समिति के अध्यक्ष छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी.के स्थापक ने भारत माता

अलग हटकर स्त्रियों के लिए शिक्षा एवं रोजगार से संबंधित प्रशिक्षण देना होगा।

पण्डित दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के उद्यमिता विद्या पीठ की निर्देशिका श्रीमती नंदिता पाठक ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि परिवार समाज की सबसे पहली इकाई है। एक महिला तभी सफल उद्यमी बन सकती है जब उसके पास घर चलाने की कला हो। उन्होंने कहा कि इस देश में सिर्फ पांच प्रतिशत महिलाएं ही प्रशिक्षित होकर स्वावलंबन की ओर अग्रसर है। इस परिस्थिति के लिए उन्होंने स्त्रियों में गरीबी, अशिक्षा, अस्वस्थता तथा उनके प्रति समाज की उपेक्षा को जवाबदेह बताया । उन्होंने महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनने पर जोर दिया और कहा कि इसके लिए महिलाओं में योजना, क्रियान्वयन, नियंत्रण, खोजी प्रवृत्ति , जागृति और मानव संसाधन की अच्छी जानकारी होनी चाहिए । कृषि क्षेत्र में स्वावलंबन कैसे प्राप्त किया जाए , इस विषय पर चर्चा करते हुए श्रीमती नम्रता प्रेमजी ने मशरूम उत्पादन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कार्य के प्रति सर्मपण, निष्ठा और ईमानदारी के साथ ही किसी उद्देश्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने मशरूम उत्पादन को लेकर अपने अनुभवों को लोगों के साथ बांटा । कृषि के क्षेत्र में ड्रीप ऐरीगेशन से कम लागत मूल्य में उत्पादकता को कैसे बढाया जा सकता है, इस विषय की जानकारी वी एन सीड्स की श्रीमती हेमा चावडा ने दी । उन्होंने विभिन्न कृषि उत्पादों में यह कैसे प्रभावशाली है, इसका बखूबी प्रस्तुतिकरण

अलग हटकर स्त्रियों के लिए शिक्षा एवं रोजगार से संबंधित प्रशिक्षण देना होगा।

पण्डित दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के उद्यमिता विद्या पीठ की निर्देशिका श्रीमती नंदिता पाठक ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि परिवार समाज की सबसे पहली इकाई है। एक महिला तभी सफल उद्यमी बन सकती है जब उसके पास घर चलाने की कला हो। उन्होंने कहा कि इस देश में सिर्फ पांच प्रतिशत महिलाएं ही प्रशिक्षित होकर स्वावलंबन की ओर अग्रसर है। इस परिस्थिति के

सेमिनार – 4 : कैरियर मार्गदर्शन

सरकार को चाहिए कि तहसील स्तर पर विद्यालयों में कैरियर कांउसलिंग सेन्टर की स्थापना कर उसके लिए बजट की व्यवस्था करे ताकि युवाओं को उनके भविष्य के लिए सलाह एवं दिशा मिल सके । युवा एक्सपो 2008 के अंतिम दिन सांईस कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. शरद इंगले ने कैरियर के विषय पर उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए यह सलाह दी।

सेमिनार में कैरियर फांउडेशन मुंबई के श्री आनंद मापुस्कर ने कैरियर चुनने के लिए युवाओं को मार्गदर्शन दिया। वार्तालाप शैली में कैरियर कांउसलिंग देते हुए उन्होंने कहा कि कैरियर के लिए विशिष्ट प्रकार की बुद्धिमता की जरूरत होती है। ड्राइंग,एनीमेशन एवं एडवरटाजिंग में जहां कल्पना शक्ति चाहिए वहीं इंजीनियरिंग क्षेत्र में गणितीय क्षमताओं की आवश्यकता होती है। हर व्यक्ति में अलग–अलग प्रकार की क्षमता होती है। इसके अनुसार ही कैरियर का चुनाव करना चाहिए । व्यक्तित्व, क्रियाशीलता ,समप्रेषण की क्षमता कैरियर के निर्धारण में आवश्यक है। उन्होंने एयरोनाटिकल सांईस,मेरीन इंजीनियरिंग, एयर क्राफ्ट प्रबंधन,कम्प्यूटर सांईस ,पैरामेडिकल सांईस,स्पीच आडियो थैरेपी, हास्पिटल मैनेजमेंट, नैनो टैकनलॉजी जैसे रोजगार उन्मुख पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। कला क्षेत्र के आर्किलॉजी,क्यूरेटर, रिमोटसेसिंग,सोसल वर्क तथा जर्नलिज्म और मनोविज्ञान से संबंधित क्षेत्रों के बारे में उन्होंने विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में 65 हजार से अधिक नये कैरियर के क्षेत्र युवाओं के सामने आने वाले हैं। कई अखबारों में कैरियर से संबंधित नियमित कालम लिखने वाले श्री आनंद ने चार सौ प्रकार के कोर्स की जानकारी दी।

कामर्स में कैरियर के अवसर के बारे में मुंबई से आये डॉ. वरदराज वापट ने बताया । उन्होंने कहा कि सर्विस सेक्टर,आईटी सेक्टर एवं मैनेजमेंट और आउटसोर्सिंग से जुडे रोजगारों का समय आ चुका है सभी कंपनियों एवं सेक्टर को एकाऊटिंग एवं प्रबंधन से जुडे लोग चाहिए।

सेमिनार में कैरियर फांउडेशन मुंबई के श्री आनंद मापुस्कर ने कैरियर चुनने के लिए युवाओं को मार्गदर्शन दिया। वार्तालाप शैली में कैरियर कांउसलिंग देते हुए उन्होंने कहा कि कैरियर के लिए विशिष्ट प्रकार की बुद्धिमता की जरूरत होती है। ड्राइंग,एनीमेशन एवं एडवरटाजिंग में जहां कल्पना शक्ति चाहिए वहीं इंजीनियरिंग क्षेत्र में गणितीय क्षमताओं की आवश्यकता होती है। हर व्यक्ति में अलग–अलग प्रकार की क्षमता होती है। इसके अनुसार ही कैरियर का चुनाव करना चाहिए । व्यक्तित्व, क्रियाशीलता ,समप्रेषण की क्षमता कैरियर के निर्धारण में आवश्यक है। उन्होंने एयरोनाटिकल सांईस,मेरीन इंजीनियरिंग, एयर क्राफ्ट प्रबंधन,कम्प्यूटर सांईस ,पैरामेडिकल सांईस,स्पीच

इलेक्ट्रीकल , इंड्रस्टीयल, मटेरियल तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग से जुडे रोजगार के अवसरों को युवाओं के सामने प्रस्तुत किया ।

साईस कॉलेज के पूर्व प्राचार्य श्री.शरद इंगले ने युवाओं से आव्हान किया कि वे स्वयं को सक्षम बनाये एवं सरकारी नौकरी के भरोसे न बैठे । आशावादी विचारों के साथ उत्साहों से भरकर अपने लक्ष्य की तरफ पूरी तरह कैंदित होकर कडी मेहनत करे सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि रोजगार एवं कैरियर के नये–नये क्षेत्र एवं मौके सामने आ रहे हैं। अपने हुनर को हमेशा बढाते रहना चाहिए । उन्होंने रोजगार के अनेक क्षेत्रों के बारे में छात्रों को नई जानकारियां दी। इस सेमीनार के मुख्य अतिथि कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्व विद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने युवाओं से कहा कि कोई भी काम छोटा व मुश्किल नहीं है। कैरियर चुनते समय इस बात का ध्यान जरूर रखना चाहिए कि स्वयं में क्या क्षमता है तथा क्या करना चाहते हैं । लगन से काम करने के बाद सफलता व नाम दोनों हासिल होते हैं। सेमीनार के अध्यक्ष अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री.सुनील अंम्बेकर ने कहा कि जोखिम उठाना चाहिए तथा मानवीय मूल्यों को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए । इस सेमीनार का संचालन युवा को–आपरेटिव्ह सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री.राजेश पांडे ने किया ।

सेमिनार–5:ग्रामीण युवा एवं आर्थिक विकास

इलेक्ट्रीकल , इंड्रस्टीयल, मटेरियल तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग से जुडे रोजगार के अवसरों को युवाओं के सामने प्रस्तुत किया ।

साईस कॉलेज के पूर्व प्राचार्य श्री.शरद इंगले ने युवाओं से आव्हान किया कि वे स्वयं को सक्षम बनाये एवं सरकारी नौकरी के भरोसे न बैठे । आशावादी विचारों के साथ उत्साहों से भरकर अपने लक्ष्य की तरफ पूरी तरह कैंदित होकर कडी मेहनत करे सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि रोजगार एवं कैरियर के नये–नये क्षेत्र एवं मौके सामने आ रहे हैं। अपने हुनर को हमेशा बढाते रहना चाहिए

रोजगार दे सकते है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक ऊर्जा के श्रोत जैसे कोयला और डीजल जैसे संसाधन सीमित मात्रा में है। उन्होंने कहा कि धान की भूसी,अखाद्य तेल , गोबर, गौमूत्र, सौर ऊर्जा के द्वारा विद्युत उत्पादन कर सकते है तथा ग्रामीणों को रोजगार दे सकते है । उन्होंने इस संबंध में छत्तीसगढ सरकार की योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी, और बताया कि किस तरह से विभाग ग्रामीण युवाओं को बगैर कुछ लागत पूंजी को लगाये चार से पांच हजार रूपये की प्रतिमाह की आमदनी करवा रहा है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा का स्थायी साधन क्रेडा गांव और दूर–दराज के इलाकों में कर रहा है। गांव के दो हजार छात्रवासों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, चौबीस जंगलों के टूरिस्ट केन्द्रों, गेस्ट हाऊस में अपरंपरागत ऊर्जा के श्रोतों के माध्यम से बिजली उत्पादन किया गया है तथा ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को इसके माध्यम से रोजगार मिला है ।

अभ्यूदय संस्थान अछोटी दुर्ग के प्रगतिशील कृषक एवं मैकेनिकल इंजीनियर कल्पेश वरू ने जैविक कृषि के क्षेत्र में अपने अनुभव बांटे और बताया कि कैसे प्रदूषण मुक्त होकर गांव में छोटी–छोटी खेती के माध्यम से सफल उद्यमी तक पहुंचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज शहरों के प्रायवेट सेक्टर में व्यक्ति को नौकर की हैसियत से मशीन की तरह काम करना पड रहा है, और प्रदूषण फैलता जा रहा है। उन्होंने अपने अनुभवों की विस्तार से चर्चा की और बताया कि किस प्रकार वे गोबर, गौ–मूत्र,ज्वारे के माध्यम से खेती को खतरनाक खादों से मुक्त कर रहे है और अधिकतम उत्पादन कर रहे है। वे आज जैविककीट , बीमारी नाशक और जैविक खाद का उत्पादन कर रहे है तथा गेंहू के ज्वारे के रस बना बेच कर सफल उद्यमी बन चुके है। पर्यटन मंडल के श्री भाटिया ने छत्तीसगढ के पर्यटक स्थलों तथा वनों का जिक्र करते हुए कहा कि आज राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में ग्रामीण युवाओं के लिए अवसर मौजूद है। उन्होंने कहा कि युवा अपने आस–पास की जानकारी संकलित कर थोडी व्यवस्था कर और बिना लागत के पर्यटन के क्षेत्र में उद्यमी बन सकते है। विकास

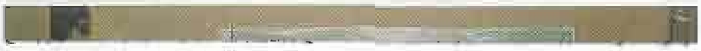

उन्होंने कहा कि ऊर्जा का स्थायी साधन क्रेडा गांव और दूर–दराज के इलाकों में कर रहा है। गांव के दो हजार छात्रवासों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, चौबीस जंगलों के टूरिस्ट केन्द्रों, गेस्ट हाऊस में अपरंपरागत ऊर्जा के श्रोतों के माध्यम से बिजली उत्पादन किया गया है तथा ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को इसके माध्यम से रोजगार मिला है ।

अभ्यूदय संस्थान अछोटी दुर्ग के प्रगतिशील कृषक एवं मैकेनिकल इंजीनियर कल्पेश वरू ने जैविक कृषि के क्षेत्र में अपने अनुभव बांटे और बताया कि कैसे प्रदूषण मुक्त होकर गांव में छोटी–छोटी खेती के माध्यम से सफल उद्यमी तक पहुंचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज शहरों के

आयुक्त पी.सी.मिश्रा ने कहा कि गांव के युवा शहरों में द्वितीय–तृतीय श्रेणी के कर्मचारी बनने का ख्याल छोडकर गांव में कृषि पर ध्यान दे और सफल कैसे बने इस पर विचार करे। कार्यक्रम को एग्रीकान एग्रीप्रेनर्स लिमिटेड, रायपुर के श्री रजनीश अवस्थी ने भी संबोधित किया और बताया कि कृषि व्यवसाय को कृषि ग्रामोद्योग के रूप में स्थापित करना है । उन्होंने जानकारी दी कि किसानों की पहली सार्वजनिक कंपनी के रूप में इसे स्थापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री राजेश पाण्डे एवं डॉ. संकेत ठाकुर ने किगा । सेमीनार में करीब चार सौ छात्र--छात्राएं ,युवा एवं अभिभावकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को स्मृति चिंन्ह भेंट किया गया।

समापन समारोह

नेशनल युवा को– आपरेटिव्ह सोसायटी द्वारा युवा एक्सपो--2008 का आयोजन अपने उद्धेश्य में सफल रहा है और निश्चित तोर पर युवाओं को रोजगार और कैरियर के बारे में एक नई दिशा मिलेगी। उक्त आशय के उद्गार छत्तीसगढ सरकार के राजस्व,पर्यटन एवं युवा–खेल मंत्री श्री.बृजमोहन अग्रवाल ने युवा एक्सपो के समापन समारोह में व्यक्त किये । रायपुर में आयोजित तीन दिवसीय युवा एक्सपो 2008 के समापन समारोह के मुख्य अतिथि की आसंदी से वे उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान है और हमारी नीति कृषि आधारित होनी चाहिए। पर खेद का विषय है कि इस पर विचार नहीं किया गया है। उन्होंने समारोह के आयोजको से आग्रह किया कि वे युवाओं को गृह उद्योगों की ओर आकृषित करें। उन्होंने कहा कि आने वाले दशक में देश में 60 फी सदी युवा होंगे उनके लिए सही मार्गदर्शन एवं सही नीति की आवश्यकता है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री.राजेश मूणत ने कहा कि कार्यक्रम से युवाओं में एक ऊर्जा उत्पन्न हुई है इसके लिए युवा को–आपरेटिव्ह धन्यवाद के पात्र है।

कार्यक्रम का संचालन श्री राजेश पाण्डे एवं डॉ. संकेत ठाकुर ने किया । सेमीनार में करीब चार सौ छात्र--छात्राएं ,युवा एवं अभिभावकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को स्मृति चिंन्ह भेंट किया गया।

समापन समारोह

नेशनल युवा को– आपरेटिव्ह सोसायटी द्वारा युवा एक्सपो--2008 का आयोजन अपने उद्धेश्य में सफल रहा है और निश्चित तोर पर युवाओं को रोजगार और कैरियर के बारे में एक नई दिशा मिलेगी। उक्त आशय के उद्गार छत्तीसगढ सरकार के राजस्व,पर्यटन एवं युवा–खेल मंत्री श्री.बृजमोहन अग्रवाल ने युवा एक्सपो के समापन समारोह में

उन्होंने कहा कि युवाओं को सरकारी नौकरी की चाह छोडकर उद्यम की ओर बढना चाहिए । इस क्षेत्र में रोजगार की अपूर्व संभावना है। कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि उद्योग पति नारायण चावडा एवं कमल शारडा ने भी संबोधित किया। इसके पूर्व युवा को–आपरेटिव्ह सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संस्था के बारे में जानकारी दी एवं स्वागत समिति के सचिव डॉ.संकेत ठाकुर ने तीन दिवसीय कार्यक्रम की पूरी जानकारी दी। कार्यक्रम में श्री.व्ही मुरलीधरन,स्वागत समिति के अध्यक्ष डॉ. बी.के स्थापक, प्रदेश अध्यक्ष श्री विवेक सक्सेना एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन श्री.राजेश प्रजापति ने किया और कार्यक्रम के संचालन श्री.रमेश गांधी ने किया। इस अवसर पर बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

प्रदर्शनी

युवा एक्सपो 2008 में लगभग 30 से अधिक संस्थाओं द्वारा उपयोगी स्टॉल लगाए गए है । शिक्षा से लेकर आधुनिक तकनीकी ज्ञान तथा विभिन्न विषयों की जानकारी यहां दी गई । स्टॉल में रेडियों जॉकी, विदेशी भाशाएं, समाचार वाचन एवं फोटोग्राफी से संबंधित कोर्सो के बारे में बताया गया है। रूंगटा कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी ,छत्रपति कॉलेज, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज , भारतीय कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर , एम.एम. कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी तथा अन्य शौक्षणिक संस्थाओं द्वारा जहां विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई । वहीं हिमाचल प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड द्वारा राज्य के पर्यटक स्थलों की जानकारी दी गई। इसी तरह CSIDC, CHIPS, छत्तीसगढ़ हैन्डलूम , सीजी हर्बल्स, कुशाभाऊ ठाकरे विश्व विद्यालय ,छत्तीसगढ़ मशरूम, हाउंसिंग बोर्ड जैसे विभागों द्वारा विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी स्टॉलों के माध्यम से दी गई। एटीआर इंस्टीटयूट ऑफ ज्वैलरी द्वारा दिखाये जा रहे आभूषणों की कलात्मकता भी लोगों को आकर्षित किया । भावेष ग्लोबल टेड़ लिंक किताबों की दुकान में महत्वपूर्ण एवं उपयोगी किताब उपलब्ध था। मुम्बई की कैरियर फाउंडेशन द्वारा लगाये गये स्टॉल में युवाओं के लिए पांच सौ रोजगार से संबंधित जानकारी दी जा रही थी। इसी तरह चैतन्य

मुरलीधरन,स्वागत समिति के अध्यक्ष डॉ. बी.के स्थापक, प्रदेश अध्यक्ष श्री विवेक सक्सेना एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन श्री.राजेश प्रजापति ने किया और कार्यक्रम के संचालन श्री.रमेश गांधी ने किया। इस अवसर पर बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

प्रदर्शनी

युवा एक्सपो 2008 में लगभग 30 से अधिक संस्थाओं द्वारा उपयोगी स्टॉल लगाए गए है । शिक्षा से लेकर आधुनिक तकनीकी ज्ञान तथा विभिन्न विषयों की जानकारी यहां दी गई । स्टॉल में रेडियों जॉकी, विदेशी भाशाएं, समाचार वाचन एवं फोटोग्राफी से संबंधित कोर्सो के बारे में बताया

Chhattisgarh Chief Minister
Dr. Raman Singh
Inaugurating Yuva Expo 2008

Presidential Address :
Chhattisgrah Higher Education Minister
Dr. Krishnamurthi Bandhi

Chief Guest :
Shri Dharmendra Pradhan M.P

Dr Sanket Thakur (Secretary, Reception Committee)
welcoming National President of
NYCS Shri Rajesh Pande

Chhattisgarh Chief Minister
Dr. Raman Singh
Inaugurating Yuva Expo 2008

Presidential Address :
Chhattisgrah Higher Education Minister
Dr. Krishnamurthi Bandhi

NYCS State president Shri Vivek Saxena
welcoming Shri Kamal sarda

Shri Ramesh Gandhi, Convener,
Reception Committee

Dr B K Sthapak, VC,
Swami Vivekanand Technical University
Inaugurating the exhibition of Yuva Expo 2008

NYCS State president Shri Vivek Saxena
welcoming Shri Narayan Bhai Chawda

NYCS State president Shri Vivek Saxena
welcoming Shri Kamal sarda
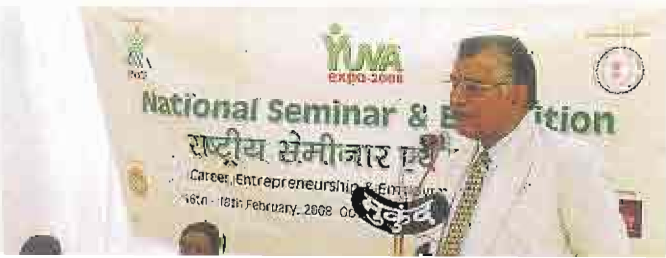
Shri Ramesh Gandhi, Convener,
Reception Committee